मैं गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए

मैं गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए-2
आऊँ परिकम्मा लगाए में तो आऊँ परिकम्मा लगाए-2
मैं गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए-2

1) मुरली मनोहर कान्हा की मैं छवि हृदय में धारूंगी,
सात कोष की दउ परिक्रमा नहीं थको ना हारूंगी,
मानसी गंगा नहाऊं-2,आऊँ परिकम्मा लगाए
मैं गोवर्धन पे.....

2) दर्शन कर गिरिराज धरण के मैं अपने भंडार भरूं,
जितने विधि विधान वहां के श्रद्धा से में सभी करूं,
मैं फूली नहीं सामाऊँ-2,आऊँ परिकम्मा लगाए,
मैं गोवर्धन पे.....

3) गोवर्धन पै जब कोई जावे कृपा हो गिरधारी की,
जीप कार या मोटरसाइकिल इच्छा नहीं सवारी की,
मैं पैदल दौड़ लगाऊं-2,आऊँ परिकम्मा लगाए,
मैं गोवर्धन पे.....

4) ना लाऊँ कोई बात ध्यान में गोविंद के गुण गाउंगी,
हाथ में तुलसी की माला ले उनमें चित रमाऊंगी,
ना भूलन धोखा खाऊं-2,आऊँ परिकम्मा लगाए,
मैं गोवर्धन पे.....।

आऊँ परिकम्मा लगाए में तो आऊँ परिकमा लगाए-2
मैं गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए-2 ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33167/title/main-govardhan-pai-Jaun-aaun-Parikramma-Lagaaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |